Self Respect

29-05-2014

✓मीठे-मीठे बच्चों को यह तो निश्चय है कि यह हमारा बेहद का बाप है, उनका कोई बाप नहीं | दुनिया में ऐसा कोई मनुष्य नहीं होगा जिसका बाप न हो |

✓यह सब प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ हो गये | तो भाई-बहन समझने से जैसे बाप के लवली चिल्ड्रेन ईश्वरीय सम्प्रदाय हो गये | तुम कहेंगे हम हैं डायरेक्ट ईश्वरीय सम्प्रदाय | ईश्वर बाबा हमको सब कुछ सिखला रहे हैं |

✓सिर्फ़ ईश्वर कहने से इतना जंचता नहीं है | अभी तुम बच्चों को दिल में जंचता है |

✓अभी तुम समझते हो हम न असुर हैं, न देवता हैं | अभी हम हैं बीच के |

✓यह खेल बड़ा मज़े का है | नाटक में मज़ा ही देखने जाते हैं ना | वह सब हैं हद के ड्रामा, यह है बेहद का ड्रामा | इनको और कोई नहीं जानते | देवतायें तो जान भी नहीं सकते | अभी तुम कलियुग से निकल आये हो |

✓बाबा ने समझाया है यह मनुष्य सृष्टि रूपी झाड़ है, इनका बीज ऊपर में है | विराट रूप कहते हैं ना | बाप बैठ तुम बच्चों को समझाते हैं | मनुष्यों को यह पता नहीं है

✓तुम ब्राह्मण हो सबसे ऊँच | यह तुम स्मृति में रखो | हमको पढ़ाने वाला है बाप | हम अभी ब्राह्मण हैं | ब्राह्मण, देवता....कितना क्लीयर है

✓हम मनुष्यों को एक्टर्स नहीं कहते हैं, आत्मा को कहते हैं | वो लोग मनुष्यों को ही समझते हैं | तुम्हारी बुद्धि में है कि हम आत्मायें एक्टर्स हैं

✓डीटी घराना ज़रूर पहले-पहले आता है | पहला जन्म उनका ही होता है | एक का हुआ तो उनके पीछे सभी आ जाते हैं | यह बातें तुम जानते हो |

✓बाप रोज़ बैठ बच्चों को कशिश करते हैं कि अपने को आत्मा समझ और बाप को देखो | यह शरीर भी भूल जाए | हम तुमको देखें, तुम हमको देखो | तुम जितना बाप को देखेंगे, पवित्र होते जायेंगे

✓अभी तुम बच्चों को बाप अपना परिचय दे रहे हैं | मैं कौन हूँ, यह भी बच्चों को मालूम है

✓जो और धर्मों में कनवर्ट हो गये हैं वह फिर निकल अपने-अपने सेक्शन में चले जायेंगे इसलिए निराकारी झाड़ भी दिखाया है | यह बातें तुम बच्चे ही समझते हो बाकी तो कोई मुश्किल ही समझते

- ✓जानते हो बाबा स्थापना करके चला जायेगा फिर तुम राज्य करेंगे | बाकी सब आत्मायें शान्तिधाम में चली जायेंगी |
- ✓हर कर्म में बाप के साथ भिन्न-भिन्न सम्बन्धों से स्मृति स्वरूप बनने वाले श्रेष्ठ भाग्यवान भव
- ✓सारे दिन के हर कर्म में कभी भगवान के सखा वा सखी रूप को, कभी जीवन साथी रूप को, कभी मुरब्बी बच्चे के रूप में, जब कभी दिलशिकस्त होते हो तो सर्वशक्तिवान स्वरूप से मा. सर्वशक्तिवान के स्मृति स्वरूप को इमर्ज करो तो दिलखुश हो जायेंगे और बाप के साथ का स्वतः अनुभव करेंगे फिर यह ब्राह्मण जीवन सदा अमूल्य, श्रेष्ठ भाग्यवान अनुभव होती रहेगी |

अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |